Naidunia (Indore), 28th August 2024, Naidunia City, Page- I

ड्रोन उड़ाने से पहले जरूरी है सुरक्षा प्रोटोकाल

मानवरहित विमान प्रणाली को लेकर आइआइटी इंदौर में 445 विद्यार्थियों को दिया प्रशिक्षण

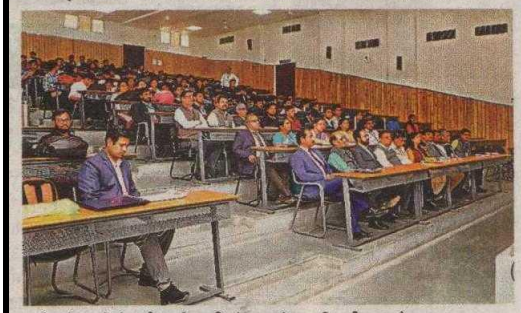

बूटकैंप प्रोग्राम में ड्रोन की कार्यप्रणाली को समझते हुए प्रतिभागी। ● सौजन्य

ड्रोन तकनीक के बढ़ते उपयोग को ध्यान में रखते हुए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर ने विद्यार्थियों को मानव रहित विमान प्रणाली समझाई है। स्वयान परियोजना के अंतर्गत बूटकैंप प्रोग्राम में ड्रोन की कार्यप्रणाली को लेकर प्रशिक्षण दिया है, जिसमें ड्रोन उड़ाने से पहले सुरक्षा प्रोटोकाल के बारे में बताया है। विद्यार्थियों को प्रोटोकाल पर विशेष तौर से ध्यान देने पर जोर दिया है। वहीं ड्रोन इलेक्ट्रानिक्स के साफ्टवेयर-हार्डवेयर की तकनीकी को लेकर भी जानकारी दी गई। अधिकारियों के मुताबिक आइआइटी इंदौर ने 12 बैच में 445 छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण दिया गया है।

स्वयान परियोजना के अंतर्गत 30 संस्थान में कोर्स चलाया जा रहा है, जिसमें आइआइटी इंदौर ड्रोन इलेक्ट्रानिक्स को लेकर विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने में सबसे ऊपर है। 22 सितंबर 2022 को परियोजना की शुरुआत हुई। अभी तक छह दिवसीय बूटकैंप कार्यक्रम की 12 बैच पूरी हो गई है। प्रत्येक बैच में 30-30 विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाता है। मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) तकनीक के बारे में 445 छात्रों को बताया गया। संस्थान ने 36 बैचों में एक हजार से अधिक विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने का लक्ष्य रखा है। परियोजना का नेतृत्व डा. सुमित गौतम कर रहे हैं।

आइआइटी इंदौर के संकाय सदस्य डा. उन्मेष खटी और डा. विवेक कान्हांगड भी शामिल हैं।

संस्थान के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि बूटकैंप स्वयान परियोजना की आधारशिला हैं, जो यूएएस प्रौद्योगिकियों में विशेषज्ञता विकसित करने के लिए डिजाइन किए गए गहन प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। ये बूटकैंप सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभागी वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में ड्रोन प्रौद्योगिकी की जटिलताओं को संभालने के लिए अच्छी तरह से तैयार हो।

डा. सुमित ने कहा कि प्रत्येक बूटकैंप में क्लासरूम शिक्षण और व्यावहारिक अनुभव के बारे में बताया जाता है। बूटकैंप में ड्रोन संचालन, ड्रोन अनुप्रयोग, सुरक्षा प्रोटोकाल और विनियामक ढांचे सहित कई तरह के विषय शामिल हैं। ड्रोन डिजाइन के मूल ज्ञान से लेकर उड़ान की गतिशीलता, मिशन योजना और पेलोड एकीकरण जैसे विषय पाठ्यक्रम में जोड़े गए हैं। प्रतिभागियों को कानूनी दायरे के भीतर ड्रोन संचालित करने के बारे में भी बताया गया है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए सुरक्षा और नियामक पहलुओं पर विशेष जोर दिया है। व्यावहारिक सत्र में ड्रोन को जोड़ने, उड़ान परीक्षण करने और मिशन-विशिष्ट कार्यों को निष्पादित करने जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं।